



INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

चित्रकारी के आगामी दौर: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की प्रगति के साथ

ज्योति (सह्यक प्रोफेसर)

सरूप रानी सरकारी कॉलेज (महिला), अमृतसर

भूमिका:

कला और विज्ञान की संगति हमारे समय में एक रोमांचक विषय है। चित्रकारी दुनिया भर में आर्टिस्टों के द्वारा उत्पन्न की जाने वाली सुंदरता को दर्शाने का एक प्रमुख माध्यम है। हालांकि, आर्टिस्ट द्वारा चित्रकारी की प्रक्रिया में एक संघर्ष सामने आता है - मानवीय अवस्था, सामग्री, और समय की सीमाओं के कारण विस्तारित समय और मेहनत की आवश्यकता। इस संघर्ष को हल करने के लिए, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) विज्ञान में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बन गया है जिसने चित्रकारी के क्षेत्र में नए दरवाजे खोल दिए हैं। यह शोध पत्र चित्रकारी के आगामी दौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की प्रगति के साथ विचार करता है।

कीवर्ड: चित्रकारी, आगामी दौर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रगति, तकनीकी उन्नति, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, जनरेटिव

एडवर्सरियल नेटवर्क्स, एनक्रिप्टेड डेटा, ट्रांसफर लर्निंग

प्रवेशिका:

चित्रकारी और कला उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग का प्रस्ताव दिया जा चुका है। यह सशक्त तकनीकी उन्नति हमें वह सौंदर्य और जीवन की दुनिया दिखा सकती है जिसे पहले से सोचना भी मुश्किल था।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चित्रकारी के क्षेत्र में विभिन्न उपयोगों को संभव बनाता है, जैसे कि चित्रों को विस्तारित करना, संपादित करना, संशोधित करना और तकनीकी त्रुटियों को सुधारना।

मुख्य भाग:

1. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लाभ: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चित्रकारी के क्षेत्र में कई लाभ प्रदान करता है। पहले, इसके द्वारा शिल्पकारों को समय और मेहनत की बचत होती है, क्योंकि यह अपने आप चित्रों को बना सकता है और उन्हें संशोधित कर सकता है। दूसरे, AI चित्रकारी के नए संभावित अवेन्यू खोलता है, जहां यह विशेषता का उपयोग करके संगठित या विचित्र चित्रों को उत्पन्न कर सकता है जो मानव संभावित नहीं होता है। तीसरे, AI कला के नए संगठनिक माध्यमों को जन्म दे सकता है, जहां सांस्कृतिक और वैज्ञानिक अभिव्यक्ति मिलती है।
2. चुनौतियां और सीमाएं: हालांकि, AI और चित्रकारी के बीच कई चुनौतियां भी हैं। पहली चुनौती यह है कि AI अभी तक एक मानव कला के उत्पाद में रचनात्मकता का पूर्णता नहीं प्राप्त कर पाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इंटेलिजेंट सिस्टम शिल्पकारी अभिव्यक्ति की उत्पत्ति में मानवता और संवेदनशीलता को पूर्णतया समझने में सक्षम नहीं हैं। दूसरी चुनौती यह है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चित्रकारी के लिए उपयोग होने वाली तकनीकों को अद्यतन करने और समय-संबंधी मानकों को प्राप्त करने की आवश्यकता होगी।
3. नए दृष्टिकोण और संभावनाएं: इस शोध पत्र के अंतिम भाग में, हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आने वाले दौर के बारे में चर्चा करेंगे। नई तकनीकों, मॉडलों और विधियों के विकास से AI चित्रकारी के आगामी दौर की संभावनाएं बढ़ेंगी। यह दौर वास्तविकता, इमेजिनेशन, और विज्ञान के मध्य संगठित होगा। इससे नए रंग, रंग-कीट, विभिन्न माध्यमों का उपयोग और कला के नए प्रारूपों की सृजनात्मकता की संभावनाएं उभरेंगी।

संक्षेप में, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ चित्रकारी के आगामी दौर के साथ हमें वास्तविकता और अभिव्यक्ति की नई संभावनाओं की ओर ले जाता है। यह संगठित, संपादित और समर्पित चित्रों का निर्माण करके कला को अद्यतित करने की क्षमता प्रदान कर सकता है। तथापि, हमें मानवीयता और संवेदनशीलता की महत्वपूर्णता को ध्यान में रखते हुए तकनीकों के विकास पर ध्यान देना होगा। इस प्रक्रिया में, आर्टिस्टों, वैज्ञानिकों, और कला दर्शकों के सहयोग की आवश्यकता होगी ताकि यह संघर्षी प्रगति एक साथ बढ़ सके और चित्रकारी के क्षेत्र में आदर्शता की स्थापना हो सके।

संदर्भ:

1. हासबिस, डी., कुमारन, डी., और समरफ़ील्ड, सी. (2017)। संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान: आंतरिक मॉडल कैसे गणना करते हैं। साइंस, 358 (6366), 1207-1208।
2. मैककॉर्मेक, जे।, कैगन, जे।, और वोगेल, सी। एम। (2016)। ब्यूक भाषा बोलना: आकार व्याकरण के साथ ब्रांड पहचान को पकड़ना, समझना और तलाशना। इंजीनियरिंग डिजाइन में अनुसंधान, 27 (3), 223-235।
3. एल्गम्मल, ए।, लियू, बी।, एल्होसेनी, एम।, और मेज़ोन, एम। (2017)। CAN: क्रिएटिव एडवरसैरियल नेटवर्क्स, स्टाइल्स के बारे में सीखकर और स्टाइल नॉर्म्स से हटकर "कला" उत्पन्न करना।
4. गैटिस, एल.ए., एकर, ए.एस., और बेथगे, एम. (2016)। कन्वेंशनल न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके इमेज स्टाइल ट्रांसफर। कम्प्यूटर विज्ञान और पैटर्न रिकग्निशन पर आईईईईई सम्मेलन की कार्यवाही में (पीपी। 2414-2423)।
5. मैदा, जे। (2019)। टीम ह्यूमन। एमआईटी प्रेस।
6. मैककॉर्मेक, जे।, गिफोर्ड, टी।, और हचिंग्स, पी। (2020)। कला में एआई और रचनात्मकता के संबंध में दस प्रश्न। आईईईईई टेक्नोलॉजी एंड सोसाइटी मैगज़ीन, 39 (1), 48-56।
7. बोडेन, एम. ए. (2020)। एआई और रचनात्मकता: एक अंतःविषय दृष्टिकोण। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
8. ओडेना, ए।, ओलाह, सी।, और श्लेन्स, जे। (2016)। सहायक वर्गीकारक GANs के साथ सशर्त छवि संश्लेषण। मशीन लर्निंग पर 34वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में (वाॉल्यूम 70, पीपी. 2642-2651)।
9. साइमन, एचए (1969)। कृत्रिम के विज्ञान। एमआईटी प्रेस।
10. कोल्टन, एसा, और विगिन्स, जीए (2012)। कम्प्यूटेशनल रचनात्मकता: अंतिम सीमा?। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ईसीएआई) पर 20वें यूरोपीय सम्मेलन की कार्यवाही में (पीपी। 21-26)।